



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 391] नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 18, 2019/अग्रहायण 27, 1941
No. 391] NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 18, 2019/AGRAHAYANA 27, 1941

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(व्यापार उपचार महानिदेशालय)

जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 दिसम्बर, 2019

(मामला सं. एसएसआर 15/2019)

विषय : चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित डिकेटोपाइरोलो पाइरोल पिगमेंट रेड 254 (डीपीपी रेड 254) के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच की निर्णायक समीक्षा की शुरुआत ।

फा. सं. 7/27/2019-डीजीटीआर.—जबकि मै.ह्योबाक कलर प्रा. लि. (इसके पश्चात आवेदक के रूप में संदर्भित) ने चीन जन.गण. और स्विट्जरलैंड (इसके पश्चात संबद्ध देश के रूप में संदर्भित) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित “डिकेटोपाइरोलो पाइरोल पिगमेंट रेड 254 (डीपीपी रेड 254)” (इसके पश्चात “संबद्ध वस्तु” अथवा “विचाराधीन उत्पाद” के रूप में संदर्भित) के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच की निर्णायक समीक्षा के लिए समय-समय पर यथासंशोधित सीमाप्रशुल्क अधिनियम, 1975 (इसके पश्चात “अधिनियम” के रूप में संदर्भित) तथा समय-समय पर यथासंशोधित सीमा प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, आकलन और संकलन तथा क्षति के निर्धारण के लिए) नियमावली, 1995 (इसके पश्चात नियमावली के रूप में संदर्भित) के अनुसार, घरेलू उद्योग की ओर से निर्दिष्ट प्राधिकारी (इसके पश्चात प्राधिकारी के रूप में संदर्भित) के समक्ष आवेदन दायर किया है ।

- और इस कारण से, कि आवेदक ने चीन जन. गण. और स्विट्जरलैंड के मूल के अथवा से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के पाटन और घरेलू उद्योग की परिणामी क्षति के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की संभावना का आरोप लगाते हुए इस अधिनियम और नियमावली के अनुसार प्राधिकारी के समक्ष एक विधिवत संतोषजनक आवेदन दायर किया है और संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा करने और उसे जारी रखने का अनुरोध किया है ।

पृष्ठभूमि:

3. चूंकि, चीन जन. गण. और स्विट्जरलैंड से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में प्राधिकारी द्वारा मूल जांच की शुरुआत दिनांक 20 जून, 2014 की जांच शुरुआत अधिसूचना सं. 14/8/2014-डीजीएडी के माध्यम से की गई थी। प्राधिकारी ने दिनांक 19 जून, 2015 के अपने अंतिम जांच परिणाम सं. 14/8/2014-डीजीएडी के माध्यम से चीन. जन. गण. और स्विट्जरलैंड से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के विरुद्ध पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की थी। यह शुल्क केन्द्र सरकार द्वारा दिनांक 17 अगस्त, 2015 की सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 41/2015-सीमाशुल्क (एडीडी) के माध्यम से लगाया गया था।

संबद्ध देश

4. मूल जांच में शामिल देश चीन पीआर और स्विट्जरलैंड थे। हालांकि, इस वर्तमान सूर्यास्त समीक्षा जांच के उद्देश्य के लिए, प्राधिकरण केवल चीन पीआर के खिलाफ जांच शुरू कर रहा है, चूंकि याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत की गई जानकारी का प्रथम दृष्टया विश्लेषण स्विट्जरलैंड से डंपिंग की संभावना नहीं दिखाता है। इसलिए, अब केवल चीन पीआर इस सूर्यास्त की समीक्षा के लिए विषय देश है।

विचाराधीन उत्पाद

5. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद "डिकेटोपाइरोलो पाइरोल पिगमेंट रेड 254 (डीपीपी रेड 254)" (इसके पश्चात "डीपीपी रेड 254" अथवा "संबद्ध वस्तु" अथवा "संबंधित उत्पाद" के रूप में संदर्भित) है। डीपीपी रेड 254 एक अत्यधिक संतृप्त मध्यम रंग का लाल रंजक है जिसमें छिपाने की बहुत अधिक शक्ति है, जैविक द्रावक के प्रति अत्यधिक स्थिरता है और रोशनी तथा मौसम के मामले में उत्कृष्ट स्थिरता है। ये रंजक कृत्रिम जैविक रंग के होते हैं जो उपयोग की संपूर्ण प्रक्रिया के दौरान अपने कण आकार और रवेदार रूप को बनाए रखते हैं। डीपीपी रेड 254 एक चमकदार रंग है, इसमें अत्यधिक रंजन शक्ति है और यह अपारदर्शी और संतृप्तता से युक्त है। डीपीपी 254 का रासायनिक नाम 3, 6 बीआईएस (4-क्लोरोफिनाइल)-2, 5- डाइहाइड्रो पायरोलो (3, 4-सी) पायरोल, 1, 4 डायोन है। डीपीपी 254 का आणविक सूत्र $C_{18}H_{10}Cl_2N_2O_2$ है। डी पी पी रेड 254 का रंग सूचकांक 56110 है और रासायनिक तत्व सं. 84632-65-5 है।
6. डीपीपी रेड 254 का निर्माण कई अलग-अलग रंगों अथवा प्रकारों में किया जा सकता है। डीपीपी रेड 254 के सभी प्रकारों और रंगों को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र के भीतर शामिल किया गया है। इसे अपरिष्कृत अथवा तैयार रूपों में बेचा जा सकता है। इस उत्पाद के क्षेत्र में किसी भी रूप में अपरिष्कृत रंजक (अर्थात् ड्राई पावडर, पेस्ट, वेट केक आदि) तथा किसी भी रूप में तैयार रंजक शामिल है। उदाहरण के लिए इसमें फ्रेस केक, ड्राइ कलर, पिगमेंट ब्लैंड, पिगमेंट प्रकीर्णन शामिल है।
7. डीपीपी रेड 254 का व्यापक रूप से उपयोग जल प्रसारित पेंट, हवा से सुखाने वाले अल्पाइड, स्टोवीन मीनाकारी, एसिड क्योरिंग प्रणाली, एमाइन क्योरिन इपोकसी, आइसोयेनेट क्योरड प्रणाली, पावर कोटिंग आदि में एक उच्च कार्य निष्पादन वाले रंजक के रूप में किया जाता है। डीपीपी रेड 254 का उपयोग मोटर वाहन और औद्योगिक पेंट के उपयोगों में भी किया जाता है। इसका उपयोग धातु से संबंधित प्रभाव, परिष्करण तथा नए संतृप्त धातुगत हल्के रंगों को प्राप्त करने के लिए किया जाता है। इसका उपयोग प्लास्टिक के उपयोगों, विशेषकर पालियोलफिन, पीवीसी और पीएस में किया जाता है जहां वे उत्कृष्ट सर्वांगीण गुणों और उत्कृष्ट तापरोधन प्रदान करते हैं। अन्य उपयोगों में दुलाई के लकड़ी के बक्से, कैप, ब्लो मोल्डेड कंटेनर और फिल्मों में किया जाता है। डीपीपी रेड 254 का उपयोग इंजेक्शन मोल्डेड एचडीपीई के लिए अशुद्धता से मुक्त निरूपणों के लिए किया जाता है।
8. संबद्ध वस्तुओं का वर्गीकरण प्रशुल्क मद 32041739 के अंतर्गत सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 के अध्याय-32 के तहत किए जाने योग्य है। डीपीपी रेड 254 का आयात अन्य उपशीर्षकों जैसे 32041111, 32041630, 32041711, 32041719, 32041720, 32041790, 32041973, 32041984, 32049000, 32061110, और 32064990 के अंतर्गत भी किया जा रहा है। हालांकि सीमाशुल्क वर्गीकरण सांकेतिक मात्र है और यह किसी भी प्रकार से इस जांच के क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

समान वस्तु

9. समान वस्तु के संबंध में नियम 2(घ) में निम्नानुसार व्यवस्था है:-

“समान वस्तु” से ऐसी वस्तु अभिप्रेत है जो भारत में पाटन के कारण जांच के अंतर्गत वस्तु के सभी प्रकार से समरूप या समान है अथवा ऐसी वस्तु के न होने पर अन्य वस्तु जोकि यद्यपि सभी प्रकार से समनुरूप नहीं है परंतु जांचाधीन वस्तुओं के अत्यधिक सदृश विशेषताएं रखती हैं;

10. आवेदक ने यह अनुरोध किया है कि उनके द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देशों से आयात की गई संबद्ध वस्तु समान वस्तु हैं। संबद्ध देशों से निर्यात की गई संबद्ध वस्तु और आवेदक द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। आवेदक द्वारा उत्पादित और संबद्ध देशों से आयात किए गए डीपीपी रेड 254 तकनीकी विशेषताओं, कार्य और उपयोग, वितरण और विपणन, कीमत निर्धारण और प्रशुल्क वर्गीकरण के मामले में तुलनीय हैं। ग्राहक इन दोनों का एक दूसरे के स्थान पर उपयोग कर सकते हैं और कर रहे हैं।
11. विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र वही रखा गया है जिस पर निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा पूर्व के अंतिम जांच परिणाम के समय विचार किया गया था। आवेदक की कंपनी द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं को वर्तमान समीक्षा जांच के उद्देश्य से संबद्ध देशों से आयात किए गए संबद्ध वस्तुओं की तुलना में “समान वस्तु” के रूप में माना जा रहा है।

घरेलू उद्योग

12. यह आवेदक मै. ह्योबैच कलर प्रा. लि. द्वारा दायर किया गया है। आवेदक ने संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का न तो आयात किया है और न ही इसका संबंध संबद्ध देश में संबद्ध वस्तुओं के किसी आयातक अथवा उत्पादक अथवा भारत में विचाराधीन उत्पाद के किसी आयातक से है। इसके अलावा, आवेदक संबद्ध वस्तुओं का एकमात्र उत्पादक है। उपलब्ध सूचना के आधार पर प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि आवेदक कंपनी का भारतीय उत्पादन में एक बहुत बड़ा हिस्सा है अतः प्राधिकारी ने नियम 2 (ख) के अर्थ के अनुसार आवेदक को घरेलू उद्योग के रूप में माना है और वे इस नियमावली के नियम 5 (3) के संबंध में आधार के मानदंड को भी पूरा करते हैं।

निर्णायक समीक्षा की शुरुआत

13. और इसलिये, आवेदक द्वारा विधिवत स्थानापन्न आवेदन के मद्देनजर अथवा अपने आप को संतुष्ट करने के बाद, घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत प्रथमदृष्टया साक्ष्य के आधार पर, पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित इस अधिनियम की धारा 9 क (5) के अनुसार पाटन और क्षति के जारी रहने/ उसके फिर से होने की संभावना को सिद्ध करते हुए, प्राधिकारी एतद्वारा संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के संबंध में लागू शुल्क को लगातार जारी रखने की आवश्यकता की समीक्षा करने तथा इस तथ्य की जांच करने कि क्या इस प्रकार के शुल्क के समाप्त होने से घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति के जारी रहने अथवा उसके फिर से होने की संभावना है, एक निर्णायक समीक्षा जांच की शुरुआत करते हैं।

जांच की अवधि

14. वर्तमान जांच के लिए जांच की अवधि (इसके पश्चात “पीओआई” के रूप में संदर्भित) 1 अप्रैल, 2018 से 30 जून, 2019 तक (15 महीने) है हालांकि, क्षति की जांच की अवधि में अप्रैल, 2015- मार्च, 2016, अप्रैल 2016 - मार्च, 2017, अप्रैल 2017 - मार्च, 2018 और जांच की अवधि शामिल होगी।

प्रक्रिया

15. वर्तमान निर्णायक समीक्षा में दिनांक 19 जून, 2015 की अधिसूचना सं 14/8/2014-डीजीएडी के माध्यम से प्रकाशित मूल जांच के अंतिम जांच परिणाम के सभी पहलू शामिल हैं।
16. उपर्युक्त नियमावली के नियम 6, 7, 8, 9, 10, 11, 16, 17, 18, 19 और 20 के उपबंध आवश्यक परिवर्तनों के साथ इस समीक्षा में लागू होंगे।

सूचना प्रस्तुत करना

17. संबद्ध देश में ज्ञात निर्यातकों और भारत में उनके दूतावास के माध्यम से उनकी सरकारों और संबद्ध वस्तुओं से संबंधित भारत में ज्ञात आयातकों और प्रयोक्ताओं तथा घरेलू उद्योग को नीचे दी गई समय सीमा के भीतर निर्धारित रूप में और ढंग से सभी संगत सूचना प्रस्तुत करने के लिए उन्हें सक्षम बनाने हेतु पृथक रूप से सूचित किया जा रहा है।

18. अन्य कोई भी हितबद्ध पक्षकार नीचे दी गई समय सीमा के भीतर निर्धारित रूप में और ढंग से जांच से संबंधित अपने अनुरोध भी कर सकते हैं। यह सूचना/अनुरोध निम्नलिखित को प्रस्तुत किया जा सकता है :

निर्दिष्ट प्राधिकारी
व्यापार उपचार महानिदेशालय
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
वाणिज्य विभाग
भारत सरकार

चौथा तल, जीवन तारा बिल्डिंग, 5 संसद मार्ग, नई दिल्ली- 110001

19. प्राधिकारी के समक्ष गोपनीय अनुरोध करने वाले किसी भी पक्षकार से यह अपेक्षित है कि वह अनुरोध के अगोपनीय पाठ को अन्य पक्षकारों को उपलब्ध कराए।

समय-सीमा

20. वर्तमान जांच से संबंधित कोई भी जानकारी लिखित रूप में भेजी जानी चाहिए ताकि एंटी-डंपिंग नियमों के नियम 6 (4) के अनुसार नोटिस प्राप्त होने की तारीख से तीस दिनों के भीतर ऊपर दिए गए पते पर प्राधिकरण तक पहुंच सके। हालाँकि, यह ध्यान दिया जा सकता है कि उक्त नियम की व्याख्या के संदर्भ में, सूचना और अन्य दस्तावेजों के लिए सूचना देने वाले नोटिस को उस तिथि से एक सप्ताह प्राप्त किया गया होगा जिस दिन यह नामित प्राधिकारी द्वारा भेजा गया था या प्रेषित किया गया था। निर्यातक देश का उपयुक्त राजनयिक प्रतिनिधि। यदि कोई सूचना निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्राप्त नहीं हुई है या प्राप्त जानकारी अपूर्ण है, तो प्राधिकरण एंटी-डंपिंग नियमों के अनुसार रिकॉर्ड पर उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने निष्कर्षों को रिकॉर्ड कर सकता है।
21. सभी इच्छुक पक्षों को तात्कालिक मामले में अपनी रुचि (ब्याज की प्रकृति सहित) अंतरंग करने की सलाह दी जाती है और उपरोक्त समय सीमा के भीतर अपनी प्रश्नावली प्रतिक्रियाओं को दर्ज करें।

गोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करना

22. प्राधिकारी के समक्ष प्रश्नावली का उत्तर सहित कोई अनुरोध करने वाले पक्षकारों (जिसमें उससे संबंधित परिशिष्ट/अनुबंध शामिल हो) से यह अपेक्षित है कि वे उस स्थिति में दो अलग-अलग क्षेत्रों में उसे प्रस्तुत करें जब उसके किसी भाग के संबंध में "गोपनीयता" का दावा किया गया हो।
- (i) एक सैट पर गोपनीय अंकित होना चाहिए (शीर्ष, पृष्ठों की संख्या, अनुक्रमणिका आदि सहित) तथा
- (ii) दूसरे सैट पर अगोपनीय अंकित होना चाहिए (शीर्ष, पृष्ठों की संख्या, अनुक्रमणिका आदि सहित)।
23. "गोपनीय" अथवा "अगोपनीय" अनुरोधों को स्पष्ट रूप से प्रत्येक पृष्ठ के शीर्ष पर "गोपनीय" अथवा "अगोपनीय" के रूप में अंकित किया जाना चाहिए। इस प्रकार अंकित किए गए बिना प्राप्त किसी अनुरोध को प्राधिकारी द्वारा अगोपनीय के रूप में माना जाएगा और प्राधिकारी अन्य हितबद्ध पक्षकारों को इस प्रकार के अनुरोधों का निरीक्षण करने के लिए अनुमति देने हेतु स्वतंत्र होंगे। दोनों पाठों की सॉफ्ट कॉपी भी प्रत्येक के 4 (चार) सैट में हार्ड कॉपी सहित प्रस्तुत किया जाना अपेक्षित होगा।
24. गोपनीय पाठ में वह सभी सूचना निहित होगी जो गोपनीय प्रकृति की है और/अथवा अन्य सूचना जो इस प्रकार की सूचना देने वाले के द्वारा गोपनीय के रूप में दावा की गई हो। सूचना के लिए जिसके संबंध में दावा गोपनीय के रूप में किया जाता है, अथवा वह सूचना जिसके संबंध में अन्य कारणों से गोपनीयता का दावा किया गया हो, सूचना देने वाले से यह अपेक्षित है कि वे दी गई सूचना के साथ-साथ इसके संबंध में भी सही कारण का विवरण उपलब्ध कराएं कि क्यों इस प्रकार की सूचना को प्रकट नहीं किया जा सकता है।
25. अगोपनीय पाठ के लिए यह अपेक्षित है कि वह गोपनीय सूचना के साथ गोपनीय पाठ की प्रतिकृति हो और अधिमानतः इसे अनुक्रमित किया गया हो अथवा कवर किया गया हो (यदि अनुक्रमण संभव नहीं हो) और उसका सारांश प्रस्तुत किया जाना अपेक्षित है लेकिन यह उस सूचना पर निर्भर करेगा जिसके संबंध में गोपनीयता का दावा किया गया है। अगोपनीय सारांश विस्तृत ब्यौरे के साथ होने चाहिए जिसमें कि गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना के अर्थ को तर्कसंगत तरीके से समझा जा सके। हालांकि, आपवादिक परिस्थितियों में, गोपनीय सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकार यह उल्लेख कर सकते हैं कि इस प्रकार की सूचना का सारांश नहीं किया जा सकता है और कारणों

का एक विवरण प्राधिकारी की संतुष्टि के अनुसार अवश्य उपलब्ध कराया जाना चाहिए कि क्यों इसका सारांश किया जाना संभव नहीं है।

26. प्राधिकारी प्रस्तुत की गई सूचना की प्रकृति की जांच करने पर गोपनीयता के लिए अनुरोध को स्वीकार अथवा अस्वीकार कर सकते हैं। यदि प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हों कि गोपनीयता के लिए अनुरोध आवश्यक नहीं है अथवा यदि सूचना देने वाले इस सूचना को सार्वजनिक करने के लिए या तो इच्छुक नहीं हैं अथवा सामान्य रूप में या सारांश रूप में इसके प्रकटन के लिए अधिकृत करने के लिए इच्छुक नहीं हैं, तब प्राधिकारी इस प्रकार की सूचना की उपेक्षा कर सकते हैं।
27. उसके सार्थक अगोपनीय पाठ के बिना किया गया कोई अनुरोध अथवा गोपनीयता के संबंध में सही कारण का उल्लेख किए बिना किये गए किसी अनुरोध को प्राधिकारी द्वारा रिकॉर्ड पर नहीं लिया जाएगा।
28. संतुष्ट होने पर और दी गई सूचना की गोपनीयता की आवश्यकता को स्वीकार करने पर प्राधिकारी इस प्रकार की सूचना को ऐसी सूचना उपलब्ध कराने वाले पक्षकार के विशिष्ट अधिकरण के बिना किसी पक्षकार को प्रकट नहीं करेंगे।

सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

29. इस नियमावली के नियम 6(7) के संबंध में, कोई भी हितबद्ध पक्षकार अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय पाठ वाले सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है।

असहयोग

30. यदि जहां कोई हितबद्ध पक्षकार सूचना तक पहुंच की अनुमति देने से इंकार करता है अथवा अन्य प्रकार से उचित अवधि के भीतर आवश्यक सूचना उपलब्ध नहीं कराता है या इस जांच में पर्याप्त रूप से बाधा पहुंचाता है तब प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम को रिकॉर्ड कर सकते हैं और केन्द्र सरकार को ऐसी सिफारिशें, जिसे वे उचित मानते हों, कर सकते हैं।

भूपिन्दर एस. भल्ला, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(Directorate General of Trade Remedies)

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 18th December, 2019

(Case No. SSR 15/2019)

Subject : Initiation of Sunset Review of Anti-Dumping investigation concerning imports of Diketopyrrolo Pyrrole Pigment Red 254 (DPP Red 254) originating in or exported from China PR.

F. No. 7/27/2019-DGTR.—Whereas M/s. Heubach Colour Private Limited (hereinafter referred to as the “applicant”) has filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), on behalf of the domestic industry, in accordance with the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter referred to as the “Act”) and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time (hereinafter referred to as the “Rules”), for Sunset Review of Anti-Dumping investigation concerning imports of “**Diketopyrrolo Pyrrole Pigment Red 254 (DPP Red 254)**” (hereinafter referred to as the “subject goods” or “product under consideration”), originating in or exported from China PR and Switzerland (hereinafter referred to as the “subject countries”).

2. AND WHEREAS, the applicant has alleged likelihood of continuation or recurrence of dumping of subject goods, originating and exported from China PR and Switzerland and consequent injury to the

domestic industry and has requested for review and continuation of the anti-dumping duty imposed on the imports of subject goods, originating in or exported from the subject countries.

Background

3. And Whereas, the original investigation concerning imports of the subject goods from China PR and Switzerland was initiated by Authority vide Initiation Notification No. 14/8/2014-DGAD dated 20th June 2014. The Authority vide its final findings No. 14/8/2014-DGAD dated 19th June 2015, recommended imposition of anti-dumping duty against imports of the subject goods from China PR and Switzerland. Duty was imposed by the Central Government vide Customs Notification No. 41/2015- Customs (ADD) dated 17th August 2015.

Subject Country

4. The countries involved in the original investigation were China PR and Switzerland. However, for the purpose of this current sunset review investigation, the Authority is initiating the investigation only against China PR, since prima facie analysis of information submitted by petitioner does not show likelihood of dumping from Switzerland. China PR is, therefore, the subject country for this sunset review.

Product under consideration

5. The product under consideration in the present investigation is “Diketopyrrolo Pyrrole Pigment Red 254’ (herein after referred as “DPP Red 254” or “subject goods” or “product concerned”). DPP Red 254 is a highly saturated medium shade red pigment with good hiding power, excellent fastness to organic solvent and outstanding light and weather fastness. The pigments are synthetic organic colors which retain their crystalline or particulate form throughout the application process. DPP Red 254 is having a brilliant shade, high color strength, opacity and saturation. The chemical name of DPP Red 254 is 3, 6-bis-(4-chlorophenyl)-2, 5-dihydro pyrrolo (3, 4- c) pyrrole ,1,4 dione. The molecular formula of DPP 254 is C₁₈H₁₀Cl₂N₂O₂. The color index number of DPP Red 254 is 56110 and chemical abstract number is 84632-65-5.
6. DPP Red 254 may be manufactured in many different shades or variants. All variants and shades of DPP Red 254 are covered within the scope of the product under consideration. It may be sold in crude or finished forms. The product scope includes crude pigment in any form (e.g. dry powder, paste, wet cake, etc.) and finished pigment in any form; examples include press cake, dry color, pigment blends, pigment dispersions.
7. DPP Red 254 is widely used as a high-performance pigment in waterborne paints, air drying alkyds, stoving enamels, acid curing systems, amine curing epoxies, isocyanate cured systems, power coatings, etc. DPP Red 254 is also used in automotive and industrial paint applications. It is used to obtain metallic effect finishes and for formulation of new saturated metallic shades. It is used in plastic applications especially in polyolefin’s, PVC and PS where they offer excellent all-round properties and outstanding heat resistance. Other uses include transportation crates, caps, blow molded containers and films. DPP Red 254 is also used in making warp-free formulations for injection molded HDPE.
8. The subject goods are classifiable under Chapter 32 of the Custom Tariff Act, 1975 under tariff item 32041739. DPP Red 254 is also being imported under other sub-headings such as 32041111, 32041630, 32041711, 32041719, 32041720, 32041790, 32041973, 32041984, 32049000, 32061110, and 32064990. However, the customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of this investigation.

Like Article

9. Rule 2(d) with regard to like article provides as under: -

"like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation;

10. The Applicant has submitted that the subject goods produced by them and the subject goods imported from the subject country are like articles. There is no known difference between the subject goods exported from the subject country and those produced by the Applicant. DPP Red 254 produced by the

Applicant and imported from the subject country are comparable in terms of technical characteristics, functions and uses, distribution and marketing, pricing and tariff classification. Consumers can use and are using the two interchangeably.

11. The scope of the product under consideration has been kept the same as was considered by the Designated Authority at the time of previous final findings. Subject goods produced by the Applicant are being treated as “like article” to that being imported from the subject country for the purpose of the present review investigation.

Domestic industry

12. The application has been filed by M/s. Heubach Colour Private Limited. The Applicant has neither imported the subject goods from the subject country nor is related to any exporter or producer of subject goods in the subject country or any importer of the PUC in India during POI. Further, the Applicant is the sole producer of subject goods. Therefore, the Authority has considered the Applicant as Domestic Industry within the meaning of the Rule 2 (b) and the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 (3), of the Rules.

Initiation of Sunset Review

13. And therefore in view of the duly substantiated application filed by the applicant, and having satisfied itself, on the basis of prima facie evidence submitted by the domestic industry, substantiating the likelihood of continuation/ recurrence of dumping and injury and in accordance with Section 9A(5) of the Act, read with Rule 23 of the Rules, the Authority hereby initiates a Sunset Review investigation to review the need for continued imposition of the duty in force in respect of the subject goods, originating in or exported from the subject country and to examine whether the expiry of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry.

Period of Investigation

14. The period of investigation (hereinafter referred to as “POI”) for the present investigation will be from 1st April 2018 to 30st June 2019 (15 months). The injury investigation period will, however, cover the periods April 2015-March 2016, April 2016-March 2017, April 2017-March 2018 and the POI.

Procedure

15. The present sunset review covers all aspects of the final findings of the original investigation published vide Notification No. 14/8/2014-DGAD dated 19th June 2015.
16. The provisions of Rules 6, 7, 8, 9, 10, 11, 16, 17, 18, 19 and 20 of the Rules supra shall be mutatis mutandis applicable in this review.

Submission of information

17. The known exporters in the subject country and their government through their embassy in India, importers and users in India known to be concerned with the subject goods and the domestic industry are being informed separately to enable them to file all the relevant information in the form and manner prescribed within the time-limit set out below.
18. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the form and manner prescribed within the time-limit set out below. The information/submission may be submitted to:

The Designated Authority

Directorate General of Trade Remedies

Ministry of Commerce & Industry

Department of Commerce

Government of India

4th Floor, Jeevan Tara Building, 5, Parliament Street

New Delhi-110001

19. Any party making any confidential submission before the Authority is required to make a non-confidential version of the same available to the other parties.

Time-Limit

20. Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above within thirty days from the date of receipt of the notice as per Rule 6(4) of the Anti-Dumping Rules. It may, however, be noted that in terms of explanation of the said Rule, the notice calling for information and other documents shall be deemed to have been received one week from the date on which it was sent by the Designated Authority or transmitted to the appropriate diplomatic representative of the exporting Country. If no information is received within the prescribed time-limit or the information received is incomplete, the Authority may record its findings on the basis of the facts available on record in accordance with the Anti-Dumping Rules.
21. All the interested parties are hereby advised to intimate their interest (including the nature of interest) in the instant matter and file their questionnaire responses within the above time limit.

Submission of information on confidential basis

22. The parties making any submission (including Appendices/Annexures attached thereto), before the Authority including questionnaire response, are required to file the same in two separate sets, in case "confidentiality" is claimed on any part thereof:
 - i. one set marked as Confidential (with title, number of pages, index, etc.), and
 - ii. the other set marked as Non-Confidential (with title, number of pages, index, etc.).
23. The "confidential" or "non-confidential" submissions must be clearly marked as "confidential" or "non-confidential" at the top of each page. Any submission made without such marking shall be treated as non-confidential by the Authority, and the Authority shall be at liberty to allow the other interested parties to inspect such submissions. Soft copies of both the versions will also be required to be submitted, along with the hard copies, in four (4) sets of each.
24. The confidential version shall contain all information which is by nature confidential and/or other information which the supplier of such information claims as confidential. For information which are claimed to be confidential by nature or the information on which confidentiality is claimed because of other reasons, the supplier of the information is required to provide a good cause statement along with the supplied information as to why such information cannot be disclosed.
25. The non-confidential version is required to be a replica of the confidential version with the confidential information preferably indexed or blanked out (in case indexation is not feasible) and summarised depending upon the information on which confidentiality is claimed. The non-confidential summary must be in sufficient detail to permit a reasonable understanding of the substance of the information furnished on confidential basis. However, in exceptional circumstances, the party submitting the confidential information may indicate that such information is not susceptible to summary, and a statement of reasons why summarisation is not possible must be provided to the satisfaction of the Authority.
26. The Authority may accept or reject the request for confidentiality on examination of the nature of the information submitted. If the Authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or if the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in generalised or summary form, it may disregard such information.
27. Any submission made without a meaningful non-confidential version thereof or without good cause statement on the confidentiality claim shall not be taken on record by the Authority.
28. The Authority on being satisfied and accepting the need for confidentiality of the information provided, shall not disclose it to any party without specific authorisation of the party providing such information.

Inspection of Public File

29. In terms of Rule 6(7) of the Rules, any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties.

Non-cooperation

30. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

BHUPINDER S. BHALLA, Addl. Secy. & Designated Authority